प्रस्तावित आयात के सम्वेदनशील स्वरूप को देखते हुए ऐसी विश्वसनीय और अनुभवी फर्मों से प्रस्ताव मांगे गए थे जो ऐसे ही कामों के लिए जानी जाती हैं। इस प्रस्ताव पर विचार करने में सरकार ने सुरक्षा सम्बन्धी सभी बातों को ध्यान में रखा था। वर्ष 1990, 1991 और जनवरी-सितम्बर 1992 में प्राप्त पासपोर्ट आवेदन पत्रों तथा भारत सुरक्षा प्रेस, नासिक से प्राप्त पासपोर्ट पुस्तिकाओं का तुलनात्मक विवरण नीचे लिखे अनुसार है:

**प्राप्त आवेदन पत्र**

| | |
|---|---|
| 1990 | 15.74 लाख |
| 1991 | 24.03 लाख |
| जनवरी से सितम्बर 1992 | 19.18 लाख |

**जारी किए गए पासपोर्ट**

| | |
|---|---|
| 1990 | 15.39 लाख |
| 1991 | 16.15 लाख |
| जनवरी से सितम्बर 1992 | 16.42 लाख |

**प्राप्त खाली पासपोर्ट पुस्तिकायें**

| | |
|---|---|
| 1990 | 13.93 लाख |
| 1991 | 16.43 लाख |
| जनवरी से सितम्बर 1992 | 17.4 लाख |

**टिप्पणी:** इन आंकड़ों में वे पुस्तिकायें भी शामिल हैं जिन्हें नये पासपोर्ट जारी करने तथा विविध सेवायें प्रदान करने दोनों के लिए किया जायेगा।

**हिन्दू तीर्थयात्रियों को बीजा**

2681. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पाकिस्तान सरकार हिन्दू तीर्थयात्रियों को बीजा जारी करने में आनाकानी करती है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या भारत सरकार इस मामले को पाकिस्तान सरकार के साथ उठाने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है?

**विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया)** : (क) और (ख) 1990 के बाद कई अवसरों पर पाकिस्तान ने प्रशासनिक और सुरक्षा कारण बताकर हिन्दू तीर्थयात्रियों के जत्थों की यात्रा को रद्द करने या स्थगित करने के लिए कहा है।

(ग) और (घ) इस सिलसिले में सरकार पाकिस्तान की सरकार के सम्पर्क में है। सरकार का मानना यह है कि दोनों देशों के बीच 1974 में धर्म स्थानों की यात्राओं के बारे में जो प्रोटोकोल सम्पन्न हुआ था, उसके अन्तर्गत भारत और पाकिस्तान को तीर्थयात्रियों को पूरी सुविधाएं देनी चाहिएं।

**Marketing of 'Gautam Buddha Wine'**

2682. SHRI VISHWASRAO RAMRAO PATIL:
SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have received strong protests from the Buddhist Malabodhi Society in Sri Lanka against the marketing of a "Gautam Buddha Wine" manufactured by an Indian manufacturer injuring the religious sentiments of the Buddhists;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what action has been taken by Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R.L. BHATIA) (a) to (c) The Mahabodhi Society of Sri Lanka has drawn the attention of the Government of India to the reported use of the name of Gautam Buddha for a liquer manufactured by an India company. The Mahabodhi Society of Sri Lanka has requested the Government of India to enquire into the matter and ensure that this label is withdrawn. The matter has been referred to the Ministries of Commerce and Industry who are making investigations.